a cost of Rs. 2.25 lakhs out of the funds of a public sector undertaking. As neither the news item nor the Hon'ble Member has indicated the specific Ministry or the building where renovation is being done, it is not possible to furnish the information. This Ministry or the C.P.W.D. has not undertaken any such renovation.

Memorandum from All India National Fitness Corps Employees Association

4615. DR. BAPU KALDATY: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether All India National Fitness Corps Employees Association, New Delhi had submitted a memorandum on 19th June, 1977;

(b) the major demands placed before the Government by the Association; and

(c) the Government's policy toward these demands

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) Yes, Sir.

(b) The major demands of the Association are as follows:

(i) Extension of the benefits recommended by the 3rd Central Pay Commission from 1-1-1973.

(ii) Absorption in the State Services with effect from the date on which the administrative control was taken over by the State Governments.

(iii) Notional increments in the State Pay Scales by point-to-point fixation of pay.

(iv) Benefit of seniority *vis-a-vis* State Govt. physical education personnel with full benefit of permanency and promotion etc.

(c) The NFC Employees have been absorbed in the State Governments services on or before 1-11-1976. Before transfer the concurrence of each employee to the terms and conditions of absorption offered by the State Governments was obtained. It is not proposed to reopen the matter at this stage.

कोसी परियोजना

4616. **श्री विनायक प्रसाद यादव** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में कोसी परियोजना का मूल प्राक्कलन कितनी धनराशि का था और वर्ष 1976-77 तक उक्त योजना पर कितनी राशि व्यय हो चुकी थी;

(ख) उक्त योजना के अन्तर्गत बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई के लिए नहर की खुदाई और पन बिजली परियोजना तैयार करने का पृथक पृथक मूल प्राक्कलन क्या था और प्रत्येक शीर्ष के अन्तर्गत अब तक कितनी धनराशि खर्च हो चुकी है;

(ग) उक्त योजना के अन्तर्गत कितने एकड़ जमीन की सिंचाई की जायेगी; और कितने मैगावाट बिजली का उत्पादन होगा और अब तक कितने एकड़ क्षेत्र की सिंचाई की गई है और कितने मैगावाट बिजली का उत्पादन हुआ है;

(घ) उक्त योजना के क्रियान्वयन से कितने एकड़ कृषि भूमि में पानी जमा होने की नई समस्या उत्पन्न हो गई है; और

(ङ) उक्त परियोजना के दोनों तटबन्धों के बीच कितने एकड़ भूमि जलमग्न हो गई है और वहां कितने लोग रह रहे हैं ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) और (ख). कोसी परियोजना को मूलतः सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण परियोजना के रूप में 1958 में 44.76 करोड़ रुपये की लागत पर स्वीकृत किया गया

था। बाद में, इस परियोजना से 2.79 करोड़ रुपये की लागत पर विद्युत् लाभ प्राप्त करने की परिकल्पना की गयी थी। 1976-77 तक इन तीनों घटकों पर क्रमशः लगभग 77.47 करोड़ रुपए, 26.23 करोड़ रुपये और 6.09 करोड़ रुपये व्यय किए गए थे।

(ग) इस परियोजना की अन्तिम सिंचाई शक्यता 4.34 लाख हैक्टेयर है। 1976-77 तक लगभग 3.18 लाख हैक्टेयर की शक्यता सृजित की जा चुकी है तथा 1.74 लाख हैक्टेयर शक्यता का समुपयोजन किया जा रहा है।

बिजली घर की प्रतिष्ठापित क्षमता 20 मैगावाट है जिसके मुकाबले में 1976-77 के दौरान विद्युत् उत्पादन 11.00 मि० किलोवाट था।

(घ) यह अनुमान लगाया गया है कि कि लगभग 1.50 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में जल-जमाव हो जाएगा किन्तु यह अन्दाजा है कि इस क्षेत्र के 50 प्रतिशत भाग को पुनः कृषि योग्य बनाना सम्भव हो सकेगा।

(ङ) कोसी के दोनों तटबन्धों के अन्दर लगभग 1.05 लाख हैक्टेयर क्षेत्र होने का अनुमान है। इस क्षेत्र की जनसंख्या 2.50 लाख है। लगभग 0.66 लाख हैक्टेयर क्षेत्र कृषि के अन्तर्गत एवं लगभग 0.26 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र कृषि योग्य होने का अनुमान है।

शाहदरा में कच्चे नाले के स्थान पर पक्के नाले का निर्माण

4617. **श्री शम्भू नाथ चतुर्वेदी** : क्या **निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शाहदरा के श्यामलाल डिग्री कालेज के सामने अण्डर ब्रिज के निकट बहने वाले गन्दे पानी का नाला पुल के निकट अक्सर टूट जाता है और उसका गन्दा पानी पुल के नीचे और पुल के पास भूतेश्वर मन्दिर के पीछे विशाल क्षेत्र में भर जाता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार पुल से लेकर ईस्ट आजाद नगर तक वर्तमान कच्चे नाले के स्थान पर पक्के और ढके हुए नाले के निर्माण करने का है जिससे वहां गन्दा पानी फैलने से रोका जा सके;

(ग) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो कच्चे नाले के स्थान पर पक्के नाले का निर्माण करने में क्या बाधायें हैं और इसके क्या कारण हैं ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) से (घ). भूतेश्वर मन्दिर के पीछे विस्तृत क्षेत्र में बरसात के मौसम में पानी इकट्ठा हो जाता है क्योंकि उस क्षेत्र की भूमि नीची है। दूसरे मौसमों में, इकट्ठा हुआ पानी केवल तालाब-क्षेत्र तक ही सीमित रहता है। यद्यपि गन्दा नाला फिलहाल मिट्टी का कच्चा नाला है किन्तु अक्सर टूटता नहीं है। तथापि, ड्रेन नं० 1 का निर्माण दिल्ली प्रशासन द्वारा शाहदरा की मुख्य जल निकासी योजना के एक अंग के रूप में किया जा रहा है और इसके पूरा होते ही इस नाले को उसमें डाला जायेगा।

Construction of Godowns by Private Parties for use by FCI

4618. SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the total storage space required by the Food Corporation of India in Madhya Pradesh for storing foodgrains;

(b) whether the FCI had invited private parties to construct godowns to be taken on lease by it; and